स्पर्श (गद्य)

प्रेमचंद
बड़े भाईसाहब

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

पाठ परिचय –

'बड़े भाईसाहब' पाठ आम आदमी के दुख-दर्द के बेजोड़ चितेरे तथा हिंदी साहित्य के उपन्यासकार प्रेमचंद द्वारा रचित है। इस पाठ में प्रेमचंद ने बड़े भाई की अपने से पाँच साल छोटे भाई के प्रति भावनाओं, अधिकारों, तथा कर्तव्यों को बड़ी सजीवता से दर्शाया है।

छोटा भाई पढ़ाई में तेज है लेकिन हर समय पढ़ाई नहीं करता है। खेलकूद, पतंग उड़ाना, घूमने आदि में उसकी रुचि अधिक है। घर पर पढ़ाई बहुत कम करता है। लेकिन परीक्षा में अव्वल आता है। वहीं बड़ा भाई दिन-रात पढ़ाई में लगा रहता है, खेलकूद में भी भाग नहीं लेता है, घूमने भी नहीं जाता है, लेकिन उसका परीक्षा फल अच्छा नहीं रहता है वह कक्षा में अनुत्तीर्ण रहता है। लेकिन छोटा भाई बहुत कम समय देकर भी अपनी कक्षा में प्रथमस्थान प्राप्त करता है। इस शानदार सफलता के कारण उसमें कुछ अभिमान आ जाता है और बड़े भाई की विनम्रता का अनुचित लाभ उठाने लगता है। लेकिन भाईसाहब ने सहज, पर तेज बुद्धि के द्वारा उसे कई उदाहरणों व प्रायोगों के द्वारा इस तरह समझाया कि उसे उनके सामने नतमस्तक होना पड़ा। बड़े भाईसाहब हमेशा यही चाहते थे कि वे जो कुछ भी करें, वह छोटे भाई के लिए उदाहरण का काम करे। इसलिए उन्होंने इस आदर्श स्थिति को बनाए रखने के लिए अपना बचपन तथा कोमल इच्छाओं को भी मन में दबाकर समाप्त कर दिया। इस प्रकार भाईसाहब ने अपना कर्तव्य बखूबी निभाया और पाठ के शीर्षक को सार्थक बना दिया।

Date:
Page No.

RABINDRANATH WORLD SCHOOL
GURGAON

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए —

उम्र, आलीशान, तालीम, सामंजस्य, मसलन,
इबादत, चेष्टा, जमात, हर्फ़, लताड़, सूक्तिबाण
अम्ल करना, अवहेलना, फ़जीहत, शरीक, सालाना,
अभिमान, हिमाकत, किफ़ायत, प्राणांतक, तजुरबा
लघुता

निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए —

1 शैतान और शाहेरूम का अहंकार करने से क्या हाल हुआ था?
2 छोटे भाई के मन में बड़े भाई के प्रति श्रद्धा क्यों उत्पन्न हुई?
3 कहानी के अनुसार बड़े भाई साहब को क्या विशेषाधिकार मिला हुआ था?
4 'बड़े भाई साहब' पाठ के आधार पर बताइए कि छोटे भाई की शालीनता किस बात में थी? क्या उसने शालीनता निभाई? स्पष्ट कीजिए।
5 कमरे में घुसते ही छोटे भाई के प्राण क्यों सूख जाते थे?
6 बड़े भाई साहब अपने दिमाग को किस प्रकार आराम देते थे?
7 बड़े भाई ने रावण के घमंड का क्या परिणाम बताया?
8 भाई साहब के दूसरी बार फेल हो जाने पर छोटे भाई के मन में कौन-सी कुटिल भावना उदित हुई।

निबंधात्मक प्रश्न

1 बड़े भाई साहब के अनुसार जीवन की समझ कैसे आती है? अपने शब्दों में लिखिए।

२ 'अहंकार मनुष्य का विनाश करता है।' इस कथन को स्पष्ट करने के लिए बड़े भाई ने क्या-क्या उदाहरण दिए ? अपने शब्दों में लिखिए।

निम्नलिखित गद्यांशों को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए—

शैतान का हाल भी पढ़ा ही होगा। उसे यह अभिमान हुआ था कि ईश्वर का उससे बढ़कर सच्चा भक्त कोई है ही नहीं। अंत में यह हुआ कि स्वर्ग से नरक में ढकेल दिया गया। शाहेरूम ने भी एक बार अहंकार किया था। भीख माँग-माँगकर मर गया। तुमने तो अभी केवल एक दरजा पास किया है और अभी से तुम्हारा सिर फिर गया, तब तो तुम आगे पढ़ चुके। यह समझ लो कि तुम अपनी मेहनत से नहीं पास हुए, अंधे के हाथ बटेर लग गई। मगर बटेर केवल एक बार हाथ लग सकती है, बार-बार नहीं लग सकती। कभी-कभी गुल्ली-डंडे में भी अंधा-चोट निशाना पड़ जाता है। इससे कोई सफल खिलाड़ी नहीं हो जाता। सफल खिलाड़ी वह है, जिसका कोई निशाना खाली न जाए।

(क) शैतान को अभिमान क्यों हुआ था ? अभिमान करने का क्या परिणाम निकला ?

(ख) भीख माँग-माँगकर कौन मरा था और उसके भीख माँगने का क्या कारण था ?

ग सफल खिलाड़ी किसे कहते हैं ?

(घ) गद्यांश में प्रयुक्त मुहावरे को ढूंढकर कर वाक्य में प्रयोग कीजिए-

(ङ) गद्यांश में किस खेल की बात की गई है ?

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

"इस तरह अंग्रेज़ी पढ़ोगे, तो ज़िंदगी-भर पढ़ते रहोगे और एक हर्फ़ न आएगा। अंग्रेज़ी पढ़ना कोई हँसी-खेल नहीं है कि जो चाहे, पढ़ ले, नहीं ऐरा-गैरा नत्थू-खैरा सभी अंग्रेज़ी के विद्वान हो जाते। यहाँ रात-दिन आँखें फोड़नी पड़ती हैं और खून जलाना पड़ता है, तब कहीं यह विद्या आती है। और आती क्या है, हाँ कहने को आ जाती है। बड़े-बड़े विद्वान भी शुद्ध अंग्रेज़ी नहीं लिख सकते, बोलना तो दूर रहा। और मैं कहता हूँ, तुम कितने घोंघा हो कि मुझे देखकर भी सबक नहीं लेते। मैं कितनी मिहनत करता हूँ, यह तुम अपनी आँखों से देखते हो, अगर नहीं देखते, तो यह तुम्हारी आँखों का कसूर है, तुम्हारी बुद्धि का कसूर है। इतने मेले-तमाशे होते हैं, मुझे तुमने कभी देखने जाते देखा है? रोज़ ही क्रिकेट और हॉकी मैच होते हैं। मैं पास नहीं फटकता। हमेशा पढ़ता रहता हूँ। उस पर भी एक-एक दरजे में दो-दो, तीन-तीन साल पड़ा रहता हूँ, फिर भी तुम कैसे आशा करते हो कि तुम यों खेल-कूद में वक्त गँवाकर पास हो जाओगे? मुझे तो दो ही तीन साल लगते हैं, तुम उम्र-भर इसी दरजे में पड़े सड़ते रहोगे? अगर तुम्हें इस तरह उम्र गँवानी है, तो बेहतर है, घर चले जाओ और मजे से गुल्ली-डंडा खेलो। दादा की गाढ़ी कमाई के रुपये क्यों बरबाद करते हो?"

(क) बड़े भाईसाहब ने इस गद्यांश में अंग्रेजी के बारे में क्या विचार प्रकट किए हैं?

(ख) छोटे भाई से बड़े भाई ने अपने विषय में क्या बताया?

(ग) 'ऐरा-गैरा नत्थू-खैरा' - मुहावरे के अर्थ के वाक्य बनाकर स्पष्ट कीजिए।

(घ) उम्र गँवाने से बेहतर उन्होंने क्या बताया?

(ङ) रात-दिन का समास विग्रह करके समास का नाम लिखिए।

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

Date:
Page No.

सीताराम सेकसरिया
डायरी का एक पन्ना

यह पाठ हमें यह बताता है कि जनता की भावनाएँ जब उद्वेलित होती हैं तो उन्हें किसी भी प्रकार से रोका नहीं जा सकता। नेता जी सुभाषचंद्र बोस और लेखक सहित कलकत्ता के लोगों ने देश का दूसरा स्वतंत्रता दिवस जिस उत्साह से मनाया तथा अंग्रेजी सरकार ने उस पर कैसे-कैसे जुल्म किए, यह पाठ उसका आँखों देखा वर्णन है

डायरी का एक पन्ना लेखक सीता राम सेकसरिया द्वारा रचित है लेखक भी आजादी की इच्छा रखने वाले असंगिनत लोगों में से एक थे। इस पाठ में उनकी डायरी में लिखे 26 जनवरी 1931 के दिन के बारे में वर्णन किया गया है नेताजी सुभाष चन्द्र बोस सहित कलकत्ता के लोगों ने देश का दूसरा स्वतंत्रता दिवस जिस उत्साह तथा उमंग के साथ मनाया, अंग्रेज प्रशासकों ने इसे उनका अपराध मानते हुए उन पर, विशेषकर महिला कार्यकर्ताओं पर कैसे-कैसे जुल्म किए आदि का वर्णन इस पाठ में बड़ी ही सजीवता से किया गया है।

कलकत्ता में इस दिन स्वतंत्रता दिवस मनाने के लिए लोग बढ़-चढ़कर भाग ले रहे थे। बाजार और मकानों को सजाया गया था। इसको रोकने के लिए शहर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था। जिस स्थान स्मारक (मोनुमेंट) के नीचे सभा होने वाली थी वहाँ पर पुलिस प्रातः काल से तैनात हो चुकी थी। जगह-जगह पर महिलाएँ अपना जुलूस निकालने व ठीक स्थान पर पहुँचने का प्रयास कर रही थी। परिणाम यह रहा कि प्रयास सफल रहे परन्तु पुलिस की भयंकरता का सामना करना पड़ा इसमें सबसे अधिक महिलाओं की भागीदारी

रही इसमें 105 महिलाएं पकड़ी गई व कई घायल होकर अस्पतालों में भर्ती हुई कांग्रेस ऑफिस में 103 आदमी घायल थे

यह पाठ हमारे अनगिनत क्रांतिकारियों की याद तो दिलाता ही है, इसके साथ-साथ यह भी उद्घाटित करता है कि एक संगठित समाज, अगर दृढ़-प्रतिज्ञ वाला व कृत-संकल्प हो, तो ऐसा कुछ नहीं है जो वह न कर सके।

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

लघु प्रश्न

1 सभा कहाँ होने वाली थी?
2 उस जगह पर पुलिस बल ने क्या किया?
3 श्रद्धानंद पार्क में क्या हुआ?
4 तारा सुंदरी पार्क में क्या हुआ?
5 गुजराती सेविका संघ ने क्या किया और उनके साथ क्या हुआ?
6 सुभाष बाबू के जुलूस का भार किस पर था?
7 स्त्री समाज क्या कर रहा था?
8 मेजूमेंट के पास कैसा प्रबंध था?
9 लोगों को क्या आज्ञा होने लगी थी?
10 आज की बात निराली कैसे थी?
11 लेखक का आँखों देखा क्या था?
12 क्षितीश चटर्जी का क्या हाल हो रहा था?
13 स्त्रियाँ कितनी थीं और उनके पास क्या था?
14 जो वालेंटियर गए थे वे क्या कर रहे थे?
15 अस्पतालों में कितने लोग पहुंचे थे?
16 लाल बाजार लॉक अप में कितनी स्त्रियाँ थी?
17 बंगाल के नाम पर क्या कलंक था?
18 लेखक ने 26 जनवरी के दिन को आज दिन क्यों कहा है?
19 स्त्रियों के जुलूस का नेतृत्व कौन कर रहा था?
20 सुभाष बाबू के जुलूस में स्त्री समाज की क्या भूमिका थी?

Date:
Page No. 43

निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए –

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

जब से कानून भंग का काम शुरू हुआ है तब से आज तक इतनी बड़ी सभा ऐसे मैदान में नहीं की गई थी और यह सभा तो कहना चाहिए कि ओपन लड़ाई थी। पुलिस कमिश्नर का नोटिस निकल चुका था कि अमुक-अमुक धारा के अनुसार कोई सभा नहीं हो सकती। जो लोग काम करने वाले थे उन सबको इंसपेक्टरों के द्वारा नोटिस और सूचना दे दी गई थी कि आप यदि सभा में भाग लेंगे तो दोषी समझे जाएँगे। इधर कौंसिल की तरफ़ से नोटिस निकल गया था कि मोनुमेंट के नीचे ठीक चार बजकर चौबीस मिनट पर झंडा फहराया जाएगा तथा स्वतंत्रता की प्रतिज्ञा पढ़ी जाएगी। सर्वसाधारण की उपस्थिति होनी चाहिए। खुला चैलेंज देकर ऐसी सभा पहले नहीं की गई थी।

(क) 'ओपन लड़ाई' और खुला चैलेंज शब्दों का किस संदर्भ में इस्तेमाल किया गया है?

ख पुलिस कमिश्नर ने क्या नोटिस निकाला था?

ग इंस्पेक्टरों ने किसे और क्या नोटिस दिया?

घ कौंसिल द्वारा क्या नोटिस निकाला गया?

(ङ) पहले क्या नहीं किया गया था?

I निबंधात्मक प्रश्न

1. जुलूस के लाल बाजार आने पर लोगों की क्या दशा हुई? उसका लाभ क्रांतिकारियों को किस प्रकार मिला?

2. स्वतंत्रता मनाने के लिए कलकत्ता में आयोजित सभा अनोखी क्यों थी? कारण सहित स्पष्ट कीजिए।

3. 'डायरी का एक पन्ना' पाठ आपको देश की आजादी के इतिहास को पढ़ने के लिए किस प्रकार प्रेरित करता है?

ततॉंरा-वामीरो कथा
लीलाधर मंडलोई (1954)

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

लीलाधर मंडलोई द्वारा लिखित यह पाठ 'ततॉंरा वामीरो कथा' एक प्रेमी-युगल के बलिदान की कथा है। सदियों पूर्व, जब लिटिल अंदमान और कार निकोबार आपस में जुड़े हुए थे, तब वहाँ एक 'पासा' नामक गाँव था, जिसमें ततॉंरा नाम का एक युवक रहता था। वह सुंदर और आकर्षक व्यक्तित्व का धनी था। वह नेक, मददगार व आत्मीय स्वभाव का था। इसलिए निकोबारी उसे बहुत प्यार करते थे। वह अपनी कमर मे लकड़ी की एक तलवार हमेशा बाँधे रहता था। लोगों का मत था कि ततॉंरा की तलवार में दैवीय शक्ति है। एक दिन वह लपाती गाँव के समुद्र तट पर घूम रहा था। वहाँ उसकी भेंट 'वामीरो' नामक अप्रतिम सौंदर्य वाली युवती से होती है, जो बहुत ही सुरीला गाना गा रही थी। दोनो का मिलना-जुलना शुरु हो जाता है। उन दोनो का गाँव अलग था और वहाँ की परंपरा के अनुसार विवाह करने के लिए एक ही गाँव का होना आवश्यक था। लोगों की अफ्वाहों के बाद भी वे दोनो मिलते रहे।

कुछ समय बाद पासा गाँव में पशु मेले का आयोजन हुआ, जिसमे ततॉंरा-वामीरो से मिला। वामीरो की माँ ने दोनो को देख लिया वह बहुत क्रोधित हुई। उन्होंने ततॉंरा को तरह-तरह से अपमानित किया। गाँव वालों ने भी उनके विरुद्ध आवाजें उठाई। क्रोध के कारण ततॉंरा ने अपनी तलवार निकाली और पूरी शक्ति के साथ धरती मे घोंप दी। फिर पूरी ताकत से उसे खींचने लगा। वह पसीने से नहा उठा वह तलवार को खींचते हुए दूर तक पहुँच गया। अचानक जहाँ तक लकीर ~~खी~~ खिंच गई थी वहाँ से धरती फटने लगी और देखते ही देखते द्वीप दो टुकड़ों में विभक्त हो गया। ततॉंरा की तरफ का द्वीप समुद्र में

समुद्र में धँसने लगा। तताँरा समुद्र में फिसल रहा था। उसके मुँह पर केवल एक ही नाम था – वामीरो। इधर वामीरो भी पागल सी हो गई उसने खाना-पीना छोड़ दिया और परिवार से अलग हो गई। लोगों को उसका कोई पता नहीं चला अब तो नहीं है पर उनकी प्रेम कथा घर-घर सुनाई जाती है।

निकोबारी इस घटना के बाद दूसरे गाँव में भी आपसी वैवाहिक संबंध करने लगे, उनका बलिदान व्यर्थ नहीं गया। इस युगल को आज भी लोग श्रद्धा और गर्व के साथ याद करते हैं।

प्रश्न निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए –

1. तताँरा क्यों चर्चा में रहता था?
2. कौन से द्वीप आपस में जुड़े रहते थे?
3. समुद्र तट के आस-पास का दृश्य कैसा था?
4. वामीरो के गीत का तताँरा पर क्या प्रभाव पड़ा?
5. तताँरा ने समुद्र तट पर क्या देखा?
6. पशु पर्व में क्या होता था?
7. तताँरा अपनी कमर में क्या बाँधे रखता था?
8. तताँरा बार-बार क्या दोहरा रहा था और क्यों?
9. वामीरो ने सुँसलाकर कड़े स्वर में तताँरा से क्या कहा और क्यों?
10. तताँरा का व्यक्तित्व कैसा था?
11. लिटिल अंदमान कहाँ पर स्थित है?
12. तताँरा वामीरो की त्यागमयी मृत्यु से क्या सुखद परिवर्तन आया?
13. तताँरा को अचानक क्या सुनाई दिया?
14. एक शाम तताँरा कहाँ चला गया?
15. वैवाहिक संबंध बनाने के लिए क्या आवश्यक था?

Date:
Page No. 4

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

निबंधात्मक प्रश्न

1 ततॉरा के क्षोभ और खीझ के कारणों को स्पष्ट कीजिए।
2 ततॉरा का चरित्र चित्रण कीजिए।
3 ततॉरा की मृत्यु के बाद 'वामीरो' का क्या हुआ? अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।
4 निकोबार द्वीप समूह के विभक्त होने के बारे में निकोबारियों का क्या विश्वास है?
5 पासा गाँव में किस पर्व का आयोजन किया जाता है उस दिन वहाँ क्या घटना घटी? पाठ के आधार पर लिखिए

निम्नांकित पद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए-

ततॉरा का मन इन कार्यक्रमों में तनिक न था। उसकी व्याकुल आँखें वामीरो को ढूँढ़ने में व्यस्त थीं। नारियल के झुंड के एक पेड़ के पीछे से उसे जैसे कोई झाँकता दिखा। उसने थोड़ा और करीब जाकर पहचानने की चेष्टा की। वह वामीरो थी जो भयवश सामने आने में झिझक रही थी। उसकी आँखें तरल थीं। होंठ काँप रहे थे। तताँरा को देखते ही वह फूटकर रोने लगी। तताँरा विह्वल हुआ। उससे कुछ बोलते ही नहीं बन रहा था। रोने की आवाज़ लगातार ऊँची होती जा रही थी। तताँरा किंकर्तव्यविमूढ़ था। वामीरो के रुदन स्वरों को सुनकर उसकी माँ वहाँ पहुँची और दोनों को देखकर आग बबूला हो उठी। सारे गाँववालों की उपस्थिति में यह दृश्य उसे अपमानजनक लगा। इस बीच गाँव के कुछ लोग भी वहाँ पहुँच गए। वामीरो की माँ क्रोध में उफन उठी। उसने तताँरा को तरह-तरह से अपमानित किया। गाँव के लोग भी तताँरा के विरोध में आवाज़ें उठाने लगे। यह तताँरा के लिए असहनीय था। वामीरो अब भी रोए जा रही थी। तताँरा भी गुस्से से भर उठा। उसे जहाँ विवाह की निषेध परंपरा पर क्षोभ था वहीं अपनी असहायता पर खीझ। वामीरो का दुख उसे और गहरा कर रहा था। उसे मालूम न था कि क्या कदम उठाना चाहिए?

(क) पाठ और लेखक का नाम बताइए।
(ख) वामीरो नारियल के पेड़ों के झुंड में क्यों छिपी हुई थी?
(ग) ततॉरा ने स्वयं को अपमानित क्यों महसूस किया?
घ ~~वामीरो~~ वामीरो की माँ क्रोधित क्यों हो गई?
5 वामीरो की माँ और गाँव वालों ने ततॉरा के साथ कैसा व्यवहार किया?

तीसरी कसम के शिल्पकार शैलेंद्र (प्रह्लाद अग्रवाल)

प्रस्तुत पाठ तीसरी कसम फिल्म के निर्माता शैलेंद्र पर आधारित है। यह फिल्म निर्माण से जुड़े विभिन्न पहलुओं से अवगत कराती है। यह पाठ एक सच्चे भावुक तथा संवेदनशील कवि की गीतात्मकता एवं कलात्मकता को भी उजागर करता है।

प्रस्तुत पाठ में प्रह्लाद अग्रवाल जी ने कवि शैलेंद्र के विषय में लिखा है। कवि शैलेंद्र को पाठ के आधार पर चित्रित किया गया है। फणीश्वर नाथ रेणु की अमर कृति 'मारे गए गुलफाम' पर कवि, गीतकार शैलेंद्र ने 'तीसरी कसम' फिल्म बनाकर सिनेमा के पर्दे पर उतारी तो यह एक अमर कृति बनी फिल्म का न केवल गीत, संगीत, कथनी बहुत अच्छी थी बल्कि इसमें उस समय के सबसे बड़े अभिनेता राजकपूर ने अपने फिल्मी जीवन का सबसे उत्कृष्ट अभिनय करके सबको आश्चर्यचकित कर दिया। फिल्म तीसरी कसम फिल्म की अभिनेत्री वहीदा रहमान ने यादगार अभिनय किया। यह फिल्म 'तीसरी कसम' यदि एकमात्र नहीं, तो उन चंद फिल्मों में से है, जिन्होंने साहित्य रचना के साथ शत प्रतिशत न्याय किया है जिसे सच्चा कवि-हृदय शैलेंद्र जैसा शिल्पकार ही बना सकता था। इस फिल्म में कवि शैलेंद्र ने गाँव की पृष्ठ भूमि पर आधारित फिल्म बनाकर सामान्य जन-जीवन को यथार्थ रूप में प्रदर्शित किया। शायद यही कवि शैलेंद्र का उद्देश्य भी रहा हो। लेखक प्रह्लाद अग्रवाल इसकी गहराई तक पहुँचे हैं।

तीसरी कसम एक साहित्यिक कृति है। इस पाठ में फिल्म की साहित्यिक पृष्ठभूमि, महत्व व लोकप्रियता पर प्रकाश डाला है।

RABINDRANATH WORLD SCHOOL ★ GURGAON ★

Date:

निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखिए-
गहन, अंतराल, अभिनीत, सर्वोत्कृष्ट, सार्थकता, कलात्मकता
संवेदनशीलता, आगाह, वितरक, इकरार, दुरूह, स्पंदित
कुजूम, ग्लोरीफाई, चरमोत्कर्ष, किंवदन्ती ।

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए-

1. तीसरी कसम शैलेंद्र के जीवन की कौन-सी फिल्म थी?
2. तीसरी कसम को कौन सा सबसे बड़ा पुरस्कार मिला?
3. तीसरी कसम को सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार किसने दिया?
4. राजकपूर द्वारा निर्देशित कुछ फिल्मों के नाम लिखिए?
5. तीसरी कसम फिल्म के नायक और नायिका का नाम बताइए फिल्म में इन्होंने किन पात्रों का अभिनय किया है?
6. शैलेन्द्र ने राजकपूर जैसे कलाकार को क्या बना दिया?
7. वहीदा रहमान की प्रसिद्ध ऊँचाइयों को किसने पीछे छोड़ दिया?
8. कजरी नदी पर हीरामन कैसे बैठा था?
9. शैलेंद्र के गीत कैसे होते थे
10. 'संगम' की अद्भुत सफलता के बाद राजकपूर ने किन चार फिल्मों के निर्माण की घोषणा की?
11. शैलेंद्र के गीतों की क्या विशेषता थी?
12. व्यथा किस चीज का संदेश देती है?

निबंधात्मक उत्तर लिखिए-

1. एक निर्माता के रूप में बड़े व्यवसायिक सूझ-बूझ वाले व्यक्ति भी चक्कर खा जाते हैं। फिर भी शैलेंद्र ने फ़िल्म क्यों बनाई? तर्क सहित उत्तर लिखिए।
2. तीसरी कसम फिल्म की प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।
3. 'तीसरी कसम' सभी गुणों से पूर्ण होने के बाद भी जनता की भीड़ क्यों नहीं जुटा पाई? तर्क सहित उत्तर दीजिए।
4. लेखक ने ऐसा क्यों लिखा है कि 'तीसरी कसम' ने साहित्य रचना के साथ शत-प्रतिशत न्याय किया है?

गिरगिट (अंतोन चेखव)

अंतोन चेखव एक रूसी लेखक थे। उन्होंने रूसी समाज पर आधारित कहानियाँ लिखी हैं। वे समाज के सत्य को उजागर करने में कुशल थे।

'गिरगिट' नामक यह कहानी रूसी भाषा में लिखी गई है तथा यहाँ इसका हिंदी अनुवाद दिया गया है। इस कहानी में चाटुकार पुलिस अधिकारी को गिरगिट की तरह रंग बदलते हुए दिखाया गया है। कहानी की शुरुआत बाजार के दृश्य से होती है जहाँ पुलिस के डर से सभी दिपकर बैठे हैं बाजार एक दम शांत है अचानक कुत्ते के रोने व किसी के चिल्लाने की आवाज़ आती है। कहानी में एक कुत्ता किसी आदमी की उंगली काटलेता है। वह पुलिस अधिकारी से शिकायत करता है तथा हर्जाने की मांग करता है, तब पुलिस अधिकारी कुत्ते और उसके मालिक के खिलाफ़ कार्यवाही करने का आश्वासन देता है लेकिन जब उसे पता चलता है कि कुत्ता जनरल साहब का है तो वह फौरन रंग बदल लेता है और उल्टा उस व्यक्ति पर दोष लगा देता है कि उसने ही कुत्ते को परेशान किया होगा। इसी तरह बात-बात पर वह अधिकारी अपनी बात बदल लेता है जैसे- गिरगिट अपने बचाव के लिए रंग बदल लेता है वैसे ही इंस्पेक्टर बार-बार अपनी बात को बदल रहा था। कहानी रोचक है तथा जनसामान्य की दशा को उजागर करती है।

प्रस्तुत पाठ के माध्यम से लेखक ने शासन में व्याप्त लाल फीताशाही, भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद तथा लगातार अन्याय झेलती हुई जनता को एक घटना क्रम में पिरोया है। इस तरह के भ्रष्ट अफ़सरशाही के होते हुए जनता केवल कराह सकती है, उन्हें न्याय मिलने की कोई उम्मीद नहीं होती।

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

अति लघु उत्तर लिखिए -

1 सिपाही ने हाथों में क्या उठा रखा था ?
2 सिपाही ने शोर मचा देखकर क्या कहा ?
3 पिल्ला कैसा दिख रहा था ?
4 ओचुमेलॉव कौन था ?
5 काठगोदाम के पास भीड़ क्यों इकट्ठी हो गई थी ?
6 उँगली ठीक न होने की स्थिति में ख्यूक्रिन का नुकसान क्यों होता ?
7 जनरल साहब के सभी कुत्ते कैसे हैं ?
8 इंसपेक्टर को गर्मी क्यों लगने लगी ?
9 इंस्पेक्टर ओचुमेलॉव ने अपना रंग कब बदला ?
10 भीड़ ख्यूक्रिन पर क्यों हँसने लगती है ?
11 ओचुमेलॉव की दो चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए ।
12 जनरल झिगालॉव कौन था ? उसका नाम सुनकर ओचुमेलॉव के व्यवहार में क्या परिवर्तन आया ?
13 येल्दीरीन ने ख्यूक्रिन पर क्या दोषारोपण किया ?
14 गिरगिट कहानी में किस पात्र को गिरगिट कहा जा सकता है और क्यों ?
15 वाल्दीमीर इवानिच कौन था ?

निबंधात्मक उत्तर लिखिए -

1 गिरगिट कहानी का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए।
2 गिरगिट पाठ में शासन की किस व्यवस्था, प्रवृत्तियों का उल्लेख किया गया है ?
3 किसी कील-वील से उँगली छील ली होगी - ऐसा ओचुमेलॉव ने क्यों कहा ?
4 ख्यूक्रिन का यह कथन कि 'मेरा भाई भी पुलिस में है।' समाज की किस व्यवस्था की ओर संकेत करता है।
5 'गिरगिट' कहानी के माध्यम से समाज की किस विसंगतियोंपर व्यंग्य किया है ?
6 'गिरगिट' कहानी में पुलिस व जनता के संबंधो को किस प्रकार दिखाया गया है ? स्पष्ट कीजिए ।

GRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

अब कहाँ दूसरों के दुख से दुखी होने वाले

निदा फ़ाज़ली (1938)

निदा फ़ाज़ली उर्दू के कवि है। उन्होंने संस्मरण तथा आत्मकथा के रूप में गद्य साहित्य भी लिखा।

प्रस्तुत पाठ में लेखक ने बदलते हुए सामाजिक व प्राकृतिक परिवेश का चित्रण किया है।

बाईबिल के सोलोमेन मानव जाति के ही नहीं अपितु पशु-पक्षियों व जीव-जंतुओं के भी बादशाह थे। वे उनकी भाषा समझते थे। एक बार वह अपने काफ़िले के साथ कहीं जा रहे थे उनके घोड़ों की टापों की आवाज सुनकर चीटियों ने एक-दूसरे को अपने बिलों में छिपने की सलाह दी। सुलेमान ने चीटियों की बात सुनकर उन्हें आश्वासन दिया कि उन्हें किसी प्रकार की हानि नहीं पहुँचेगी क्योंकि ईश्वर ने उन्हें सबकी रक्षा के लिए बनाया है। सुरक्षित चीटियों ने उनके लिए ईश्वर से दुआ की।

इस प्रकार की घटना का उल्लेख शेख अयाज़ ने अपनी आत्मकथा में किया है कि एक बार उनके पिता कुएँ से नहाकर घर लौटे और खाना खाने बैठ गए, तभी उन्होंने देखा कि एक चींटा उनके बाजू पर रेंग रहा है। वह खाना छोड़कर खड़े हो गए पूछने पर बताया कि चींटे को बेघर कर दिया है इसलिए उसे उसके घर छोड़ने जा रहे हैं।

प्रारंभ में धरती पर सभी जीव-जंतु समान रूप से रहते थे लेकिन मनुष्य ने अपनी बुद्धि से अनेक दीवारें खड़ी कर दी वह जीव-जंतुओं का विनाश करने लगा, पेड़-पौधे काटने लगा जनसंख्या व विलासिता के साधन बढ़ने से प्रदूषण फैलने लगा मनुष्य ने समुद्र को पीछे धकेलकर उसकी जमीन को भी हथियाना शुरू कर दिया। लेखक की माँ कहती थी कि रात में पत्ते मत तोड़ो वे बद्दुआ देंगे परंतु आज ऐसा नहीं है विज्ञान व धर्म सृष्टि के निर्माण के संबंध में विभिन्न राय देते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि धरती पर पक्षी, मानव, पशु, नदी, पर्वत सभी का समान अधिकार है।

Date:
Page No. 56

निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए -

1. सोलोमेन का दूसरा नाम क्या था ?
2. सोलोमेन मानव जाति के अलावा किसके राजा थे ?
3. चींटियों ने डर कर एक दूसरे से क्या कहा ?
4. धरती किसकी है ?
5. हिस्सेदारी में दीवारें किसने खड़ी कर दी हैं ?
6. संसार अब कैसा हो चुका है ?
7. बढ़ती हुई आबादी के कारण क्या हुआ ?
8. किसकी सहन शक्ति की एक सीमा है ?
9. समुद्र किस प्रकार अपनी जगह देता गया ?
10. जहाज़ कहाँ-कहाँ गिरे ?
11. जहाजों की क्या दशा हुई।
12. अब वर्सोवा में क्या परिवर्तन आ गया है ?
13. लेखक के फ्लैट में किसने डेरा डाल लिया था ? उसके बारे में लेखक ने क्या बताया ?
14. कबूतर परेशानी में इधर-उधर क्यों फड़फड़ा रहे थे

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

निबंधात्मक उत्तर लिखिए -

1. प्रस्तुत पाठ के माध्यम से लेखक क्या विचार व्यक्त करना चाहता है ?
2. मानव ने किस प्रकार की बाधाएँ उत्पन्न कर दी हैं ?

Date:
Page No.

पतझर में टूटी पत्तियाँ

रवींद्र केलेकर (1925)

(i) गिन्नी का सोना (ii) झेन की देन

प्रस्तुत पाठ को लेखक ने दो भागों में बाँटा है जिसमें लेखक के विचार अत्यन्त सराहनीय हैं। प्रस्तुत पाठ के प्रसंग लोग कहा को बहुत समझने की मांग करते हैं।

गिन्नी का सोना- इसमें लेखक ने शुद्ध सोने तथा गिन्नी के सोने की तुलना आदर्श तथा व्यवहार से की है। गिन्नी का सोना तांबा मिला हुआ होता है। उसी से आभूषण आदि बनाए जाते हैं। शुद्ध सोना कीमती होते हुए भी प्रयोग में नहीं लाया जाता क्योंकि वह लचीला होता है और उसके आभूषण नहीं बनाए जा सकते उसी प्रकार आदर्श भी शुद्ध सोने के समान होते हैं जब तक आदर्शों में व्यवहारिकता को नहीं मिलाया जाता वह उपयोग में कम आता है। गांधी जी भी व्यवहारिकता को पहचानते थे केवल आदर्श और व्यवहार दोनों अलग-अलग काम नहीं करते जब दोनों को मिलाया जाता है आदर्शमिश्र व्यवहारिकता उत्पन्न हो जाती है जो समाज हित में है। परन्तु जब केवल व्यवहार रह जाता है तो वह समाज का पतन करता है।

झेन की देन- लेखक प्रस्तुत पाठ के माध्यम से बताना चाहता है कि जापान में अधिकतर लोग मानसिक रोग से पीड़ित हैं। वहाँ पर जीवन की रफ्तार बढ़ गई है। वहाँ आदमी चलता नहीं दौड़ता है, बोलता नहीं बकता है इसलिए वहाँ के अस्सी प्रतिशत लोग हमेशा तनाव में जीवन जीते हैं और उसी तनाव से मुक्ति पाने की परंपरा को झेन कहा जाता है।

जापान के अपने अनुभवों को लिखते हुए लेखक ने बताया कि एक शाम को उसका एक मित्र उसे टी-सेरेमनी में ले गया। जिसमें छः मंजिल इमारत की छत पर एक पर्णकुटी बनी थी। जिसमें केवल तीन व्यक्तियों को ही प्रवेश दिया जाता है। चाय बनाने की विधि और प्यालों में केवल दो घूंट चाय दी

दी जाती है जिसे घंटों से प्याला लगाकर करीब डेढ़-दो घंटे तक पिया जाता है इससे धीरे-धीरे दिमाग की रफ़्तार कम होती जाती है इसमें मुख्य बात शांति होती है। यह जापानियों को ज़ेन परंपरा की देन है।

लघु उत्तर दीजिए-

1 उपयोगवादी लोग हमेशा कैसे रहते हैं?
2 आदर्शवादी लोग हमेशा क्या करते हैं?
3 समाज को आदर्शवादी लोगों ने क्या दिया है?
4 अक्सर हम किसमें उलझे रहते हैं?
5 असल में दोनों काल क्या हैं?
6 हमारे सामने सत्य क्या है?
7 शुद्ध सोने व गिन्नी के सोने में अंतर स्पष्ट कीजिए।
8 जापानी लोग मानसिक रोग से पीड़ित क्यों रहते हैं?
9 हमें भूत और भविष्य के बारे में क्यों नहीं सोचना चाहिए?
10 तनाव से मुक्ति पाने की परंपरा को क्या कहा गया है?

निबंधात्मक उत्तर लिखिए-

1 आदर्श व उपयोगवाद का समाज में किस प्रकार प्रयोग करना चाहिए?
2 लेखक के मित्र ने मानसिक रोग के क्या कारण बताए? आप इन कारणों से कहाँ तक सहमत हैं?
3 समाज के पास अगर शाश्वत मूल्यों जैसा कुछ है तो आदर्शवादी लोगों का ही दिया हुआ है- आशय स्पष्ट कीजिए।
4 लेखक के अनुसार सत्य केवल वर्तमान है, उसी में जीना चाहिए। लेखक ने ऐसा क्यों कहा होगा? स्पष्ट कीजिए।
5 जापानियों की बीमारी के कारण व परिणाम बताइए।
6 समाज को ऊँचा उठाने वाले लोग कौन होते हैं और वे क्या करते हैं?

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

कारतूस

हबीब तनवीर (1923-2009)

पाठ का सारांश

प्रस्तुत पाठ 'कारतूस' के रचयिता हबीब तनवीर हैं। इस पाठ में एक जॉबाज के कारनामों का वर्णन है, जिसका नाम वजीर अली है। अंग्रेज हमारे देश में व्यापार करने के उद्देश्य से आए थे परंतु उनके इरादे केवल व्यापार करने के नहीं थे। धीरे-धीरे उन्होंने रियासतों पर कब्ज़ा करना शुरू किया।

ऐसे ही एक जॉबाज वजीर अली जिसका एक मात्र लक्ष्य था- अंग्रेजों को इस देश से बाहर निकालना। उसी दिलेर की कहानी को नाटकीय रूप में प्रस्तुत किया गया है।

जंगल के कैम्प में कर्नल व लेफ्टीनेंट आपस में बात कर रहे हैं। रात का समय है। कर्नल कालिंज उनको वजीर अली के खानदान व अन्य बातों की जानकारी दे रहा था। सहादत अली ने अपना आधा राज्य व दस लाख रूपए भेंट किए थे। अंग्रेजों के अनुसार वजीर अली एक बहादुर आदमी है। उन्हें संदेह था कि वजीर अली जंगलो में छिपा है। वह उसी रास्ते नेपाल जाना चाहता है वे वजीर अली को पकड़कर सहादत अली को सौंपना चाहते थे लेकिन वजीर अली उनकी पकड़ में नहीं आ रहा था। कर्नल व लेफ्टीनेंट की बातचीत के दौरान एक सिपाही ने उन्हें सूचित किया कि कोई घुड़सवार इधर आ रहा है। कर्नल और लेफ्टीनेंट भी सतर्क होकर उधर देखते हैं वह उन्हीं की ओर आ रहा था। वह घुड़सवार कैम्प में पहुँचा और उसने कर्नल से मिलने की प्रार्थना की और कहा वह कर्नल से एकांत में बात करना चाहता है। कर्नल के आदेश पर सभी बाहर चले गए। सवार ने कहा, वह एक जॉबाज सिपाही है। साथ ही कुछ कारतूस भी माँगे और कहा, कि वह वजीर अली को पकड़ने में उनकी सहायता करना चाहता है। कर्नल ने उसे दस कारतूस दे दिए। फिर कर्नल ने उसका नाम

पूछा, तो उसने कहा - मैं ही वजीर अली हूँ। यह कहकर घोड़े पर सवार होकर चला जाता है।

लघु प्रश्न -

1 किसके अफ़सोस सुनकर रॉबिन हुड के कारनामें याद आ जाते है?
2 वजीर अली ने अवध पर कितने महीने हुकूमत की थी?
3 जंगल में कौन आपस मे बात कर रहे थे?
4 अंग्रेजों के अनुसार वजीर अली कैसा था?
5 अंग्रेजों ने किसको पद से हटाया था?
6 वजीर अली किसके पास गया?
7 किसने किससे कारतूस मांगे?
8 वजीर अली ने कंपनी के वकील को क्यों मारा?
9 वजीर अली को किसने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया?
10 सहादत अली कौन था?
11 कर्नल कालिंज का खेमा जंगल में क्यों लगा हुआ था?
12 सवार ने क्यों कहा कि वजीर अली की गिरफ़्तारी बहुत मुश्किल है?
13 वजीर अली से सिपाही क्यों तंग आ चुके थे?
14 सवार के जाने के बाद कर्नल क्यों हक्का-बक्का रह गया?
15 प्रस्तुत पाठ व लेखक का नाम लिखिए?

RABINDRANATH WORLD SCHOOL GURGAON

निबंधात्मक उत्तर लिखिए -

1 वजीर अली के अफ़सोस सुनकर कर्नल को रॉबिन हुड की याद क्यों आ जाती है?
2 वज़ीर अली ने कंपनी के वकील का कत्ल क्यों किया?
3 सवार ने कर्नल से कारतूस कैसे हासिल किए?
4 'कारतूस' एकांकी के आधार पर वजीर अली की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए।